Desid. जिजीविषामि· Bh. 2. 6.: यान् एव हत्वा न जिजीविषामस् ते ऽवस्थिताः प्रमुखे· (Lith. *gywénu* vivo, *gywas* vivus, slav. ЖИВꙋ *schivû* vivo; goth. *qvivs* vivus, germ. vet. *queh,* anglo-sax. *cvic* vivus, mutato *v* in gutturalem, sicut in lat. *vic-si, vic-tum,* gr. comp. 19.; nostrum *queck* in *Quecksilber, er-quicke* recreo; lat. *vivo* e *guivo,* abjectâ gutturali, servato *v* euphonico, cui respondet β τοῦ βίος, βιόω, cf. ज्या nervus arcûs, cum quo convenit βιός; ζάω correptum esse videtur e ζιϝάω tanquam Denominativum, cui responderet scr. जीवयामि a जीव vita.)

c. अनु vivendo sequi *alqm.* Sa. 5. 94.: जीवन्ताव् अनुजीवामि; Ragh. 19. 15.: अन्वजीवद् अमरालकेश्वरौ (Ed. Calc. अत्यजीवद्; quod Schol. explicat per अतिक्रम्य जीवितवान् ततो ऽप्य् उत्कृष्टजीवित आसीत्·)

c. उप 1) obsequi, obedire *c. acc. pers.* Man. 9. 105.: शेषास् तम् उपजीवेयुः; Mah. 2. 1625.: बान्धवास् त्वो ’पजीवन्तु सहस्राक्षम् इवा ’मराः· *Pass.* Ram. III. 76. 58.: सुजीवं नित्यशस् तेन यः परैर् उपजीव्यते· 2) *c. acc. rei* exsequi, perficere, observare. Man. 10. 74.: ते सम्यग् उपजीवेयुः षट् कर्माणि· 3) *c. ablat.* dependere *ab alquo.* Ram. III. 76. 58.: तेन तु दुर्जीवं यः पराद् उपजीवति·

c. उप praef. प्रति reviviscere, vitam recipere. Mr. 122. 3. *infr.*: प्रत्युपजीविता ’स्मि·

c. वि *id.* Mah. 1. 2002.: द्विजप्रभावाद् राजेन्द्र व्यजीवत् स वनस्पतिः·

c. सम् *i. q. simpl.* N. 26. 25.: सञ्जीव शरदां शतम्; Dr. 9. 4.: पुनः सञ्जीवमानस्य· - *Caus.* facere ut alqs reviviscat, in vitam revocare. Ragh. 12. 74.: सीताम् ... समजीवयत्· - *Desid. formae causalis* Mah. 1. 2012.: सञ्जिजीवयिषु in vitam revocandi cupidus.

जीव (r. जीव् s. अ) 1) *Adj.* vivus. Dr. 7. 20. 2) *Subst. m.* vita. (Lith. *gywas* vivus; goth. *qvivs,* Th. *qviva,* lat. *vivus;* gr. βί(ϝ)ος; hib. *beo* «living, alive».)

1. जीवन *n.* (r. जीव् s. अन) vita. Bh. 7. 9.

2. जीवन (a जीवय् *Caus.* r. जीव्, s. अन) vivificus. A. 4. 51.

जीवल *m.* (r. जीव् s. अल) *n. pr.* N. 15. 7.

जीविका *f.* (r. जीव् s. इक in *fem.*) vita. N. 11. 17.

जीवित *n.* (r. जीव् s. त) vita. Dr. 9. 11. Br. 1. 27. (Lith. *gywatà;* slav. ЖИВОТ *schivot;* lat. *vita* e *vivita.*)

जु 1. *P. A.* जवामि, जवे ire, festinare, v. जव· (Cf ज्यु, कु, lith. *z'ùwu* venio fut. *z'u-su.*)

जुगुप्स् *Desid.* r. गुप् q. v.

जुगुप्सा *f.* (a praec. s. आ) vituperatio. Mr. 15. 5.

जुङ्ग् 1. *P.* (त्यागे, scribitur जुग्, gr. 110[a]). videtur esse forma redupl. pro जङ्ग्, v. जङ्गम्) relinquere.

1. जुड् 6. *P.* (बन्धे) ligare.

2. जुड् 6. *P.* (गतौ) ire.

3. जुड् 10. *P.* (प्रेरणे *K.* नोदे *V.*; Caus. praecedentis) mittere.

जुत् 1. *A.* (भासने *K.* द्युत्याम् *V.*) lucere, fulgere; cf. ज्युत्, द्युत्, दिव्·

जुन् 6. *P.* (गतौ) ire.

1. जुष् 1. 10. *P.* जोषामि, जोषयामि (परितर्कणे *K.* तर्के तृप्तौ *V.*) investigare, exhilarare.

2. जुष् 6. *A.* (प्रीतिसेवनयोः *K.* मुदि सेवे *V.*) amare, desiderare; colere. Bh. 2. 2.: अनार्यजुष्ट; N. 12. 65.: आश्रममण्डलम् नानामृगगणजुष्टम्; Mah. 1. 3569.: अमरराजजुष्टात् पुण्याल् लोकात् पतमानं ययातिं सम्प्रेक्ष्य· *In dial. Vêd.* benevole accipere. Ros. Rigv. Sp. 12. 2.: जुषस्व गिरिम् मम; 13. not.: जुषस्व नः समिधम्· *Caus.* जोषयामि facere ut alqs colat, peragat. Bh. 3. 26.: जोषयेत् सर्वकर्माणि· (Cf. zend. 𐬰𐬀𐬊𐬱𐬀 *zaôs'a* voluntas gr. comp. 58.; hib. *gus* «a desire, inclination»; goth. *KUS* eligere, *kiusu, kaus, kusum,* nostrum *kiese,* lat. *gus-tus,* nisi hoc pertinet ad घस्; gr. γεύω, γεύομαι, v. Pott p. 277.)

जुह्वत् v. हु·

---

g'îvâpayâmi (Lass. XVIII. 6. 9. 14. 16.), cujus analogiam sequuntur Prâcritae formae ut *môâbéhi* (Ur. XX. 12.), quod sanscrite sonaret *môc'âpaya*; cf. Lass. Institut. linguae Prâcr. p. 360.